



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा  
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)  
जनसंपर्क कार्यालय  
PUBLIC RELATIONS OFFICE



**'भारत में समाज कार्य एवं गांधी जी' विषय पर संगोष्ठी आयोजित**

**मिलकर कार्य करना ही समाजकार्य है : प्रो. मनोज कुमार**

वर्धा, 08 अगस्त 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग द्वारा 'भारत में समाज कार्य एवं गांधी जी' विषय पर मंगलवार, 06 अगस्त को गुरुम जाशुआ सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि समाजकार्य संस्थान वर्धा के पूर्व निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने अपने वक्तव्य में समाज कार्य को विस्तृत रूप से विवेचित करते हुए कहा कि समाज कार्य हमें आपस में मिलकर कार्य करना सिखाता है तथा चेतना युक्त प्राणी का निर्माण ही समाज कार्य का अंतिम लक्ष्य है। महात्मा गांधी के कार्यों को याद करते हुए उन्होंने बताया कि आज के समय में गांधी जी को मूर्तियों में खोजने के



बजाए उनके द्वारा किए गए कार्यों एवं उनके विचारों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ समझने की जरूरत है। गांधी के रचनात्मक कार्यों का मूल उद्देश्य आम जन मानस को अपने समाज की समस्याओं को जानने एवं उनके समाधान की खोज करने की क्षमता से युक्त करना ही है। समाज कार्य को एक विषय के रूप में देखते हुए उन्होंने कहा कि यह विषय किसी स्थाई पाठ्यक्रम से बंधा विषय नहीं है, अपितु इसमें समय के साथ समाज की नई समस्याएं एवं नए विचार शामिल होते रहते हैं इसलिए यह आवश्यक है कि इस विषय के पाठ्यक्रम का भी समय समय पर पुनर्निरीक्षण कर सम्योचित परिवर्तन किया जाए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि गांधी जी की दृष्टि में सबसे बड़ा धर्म मानव धर्म है और मानव की भलाई के लिये किया गया कार्य ही समाज कार्य है। गांधी जी समाज कार्य का मूर्त रूप है। अपने रचनात्मक कार्यों के जरिए गांधी जी ने प्राणी मात्र की सेवा का जो मंत्र समाज को दिया है, असल में वही समाज कार्य विषय का मूल उद्देश्य है।

कार्यक्रम का संचालन विभाग के शोधार्थी प्रिंस सिंह ने किया। स्वागत वक्तव्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार मिश्र ने दिया तथा विभाग के वरिष्ठ अध्यापक डॉ. मनोज कुमार राय ने आभार माना। इस अवसर पर शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।